**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 21-07-2026**

**बोकारो(झारखण्ड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-21 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2026-07-22 | 2026-07-23 | 2026-07-24 | 2026-07-25 | 2026-07-26 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 18.0 | 15.0 | 15.0 | 15.0 | 15.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 30.0 | 30.0 | 29.0 | 29.0 | 29.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 25.0 | 25.0 | 25.0 | 24.0 | 24.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 93 | 90 | 88 | 88 | 86 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 77 | 69 | 66 | 64 | 59 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 10 | 3 | 5 | 7 | 2 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 109 | 360 | 254 | 279 | 315 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 8 | 7 | 7 | 7 | 6 |
| चेतावनी | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ | भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ |

## पूर्वानुमान सारांश:

मौसम नम एवं अपेक्षाकृत ठंडा बना रहेगा, लगातार वर्षा के कारण तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ वर्षा की संभावना बनी रहेगी।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

आंधी-तूफान और बिजली कड़कना, तेज़ हवा के झोंके आदि; ज़मीन के पास तेज़ हवाएँ

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना, फलों का टूटना

## सामान्य सलाहकार:

| |
|---|
| आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना को देखते हुए, किसान भाई मध्यम खेत में आगामी दिनों में होने वाले वर्षा जल के साथ - साथ ऊपरी खेतों से पानी का बहाव रोपा वाले खेतों में कर पानी जमा कर रोपा करें। जिस किसान के पास ऊपरी खेत अभी भी परती रह गया है, वे कुलथी, उरद, मूंग या विभिन्न सब्जियों की खेती के लिए तैयारी करें। किसानों को आगामी 5 दिनों में सिंचाई, अंतर-कृषि संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित कर देना चाहिए। कटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। भारी बारिश से बचाने के लिए सब्जियों के पौधों को पॉलिथीन से ढक दें। बारिश और बादल की स्थिति से खड़ी फसलों में रोग का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए किसानों को इसकी निरंतर निगरानी रखनी चाहिए। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| किसानों को सलाह दी जाती है कि टमाटर फल छेदक कीट के प्रबंधन के लिए जाल फसल के रूप में गेंदा (अफ्रीकी गेंदा) का उपयोग उपयोगी है। |

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| रागी | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 3 सप्ताह पुरानी रागी की फसल की रोपाई करें। रोपाई से पहले जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। कतार से कतार की दुरी 30 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 10 सेंटीमीटर रखें। |
| मक्का | जल्दी बिआओ गई मकके की फसल 4 सप्ताह की अवस्था मे है। अत: फसल मे निकाई-गुड़ाई करे तथा 26 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ के दर से डालें और मिट्टी चढ़ा दें। लंबे समय तक बादल छाए रहने तथा वर्षा के कारण मकके मे जीवाणु डंठल सड़न रोग के संक्रमण की संभावना रहती है विशेषकर अंकुरण से वानस्पतिक अवस्था तक। डंठल की सड़न को नियंत्रित करने के लिए सूखे दिनों में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड आधारित रसायनों का प्रयोग करें। इसके अलावा 30 किग्रा एम°ओ°पी प्रति एकड़ को 2 बार मे डालने जिससे इस रोग की गंभीरता कम हो जाती है। |
| चावल | वर्षा की कमी को देखते हुए किसान भाई धान की फसल में छँटाई करें, ताकि पानी और पोषक तत्वों के लिए उनके बीच प्रतिस्पर्धा कम की जा सके। छँटाई की गई पौधों को पशुओं को खिलाएं। |
| चावल | सीधी बुवाई वाले धान की फसल तीन से चार हफ़्ते की अवस्था में है। चूँकि आने वाले दिनों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है, इसलिए किसान भाई निराई गुड़ाई / खरपतवार नियंत्रण के लिए जाएँ। 35 किलो यूरिया प्रति एकड़ डालें, उसके बाद निराई-गुड़ाई करें और खाली जगहों को भरें। खाद डालते समय अतिरिक्त पानी निकाल दें और एक दिन बाद पानी को खेतों में डाल दें। |
| अरहर (लाल चना/ अरहर) | समय पर बोई गई फसल वानस्पतिक अवस्था में है, ढलान की तरफ़ नालियाँ बनाकर अतिरिक्त पानी निकालने का इंतज़ाम करें। जो किसान अभी भी बुआई का इंतजार कर रहे हैं उन्हें ज्वार/ चावल/मक्का/ मूंगफली/सोयाबीन/उर्दबीन/मूंग और भिंडी के साथ अंतरफसल अपनाने का सुझाव है। अंतरफसल के मामले में अरहर + ज्वार पंक्ति अनुपात 1:1, अरहर + मक्का पंक्ति अनुपात 1:1, अरहर + मूंगफली पंक्ति अनुपात 1:3, अरहर + सोयाबीन पंक्ति अनुपात 1:2, अरहर + उर्द/मूंग पंक्ति अनुपात 1:2 और अरहर + भिंडी पंक्ति अनुपात 1:1 बनाए रखा जाना चाहिए और तदनुसार उर्वरक दें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| टमाटर | किसानों को सलाह दी जाती है कि टमाटर, मिर्च, प्याज, फूलगोभी और बैंगन की बुवाई या रोपाई के बाद, शुरुआती 30-45 दिन उनकी वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए, खरपतवार नियंत्रण के लिए अंतर-कृषि क्रियाएँ अवश्य करें। |
| टमाटर | जुलाई में टमाटर की नर्सरी में पौध लगाने का सबसे अच्छा समय होता है। बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडे @ 4 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। बीज को बोने से 24 घंटे पहले बीज उपचारित करना चाहिए। उन्नत किस्में – स्वर्ण लालिमा, अर्का आभा, स्वर्ण सम्पदा, स्वर्ण समृद्धि, पूसा संकर-1, सुरक्षा। |
| जरबेरा | जरबेरा की फसल में फफूंद रोग के प्रकोप देखे जा रहे है, इससे बचाव हेतु किसान भाई बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर हर पौधों के जड़ों के पास डालें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | जुगाली करने वाले पशुओं को नयी घास चरने से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल नेमाटोड बीमारी की संभावना रहती है जिसमे एनीमिया और दस्त जैसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके लिए फेनबेन्डाज़ोल 5 से 10 मिलीग्राम प्रति किलोग्राम वज़न के हिसाब से पशुओं को दें। |

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| फूल एवं फल झड़ना, फसल गिरना, जल जमाव |

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

| |
|---|
| फसलों में जल निकासी की व्यवस्था करें, सहारा वाली फसलों को बांधें |

**Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**